



॥ ऊँ ॥ त्र्यम्ब ॥ इत्यम् ॥ मगुजा ॥ सिङ्गम् ॥



आहनी



रगादपा



अपी



मत्त



तिगला
कगपी

अपी: कापय



अडपी
अलपी

अपी: कस



स्येला
आडपी

महि: अपी



पात

अपी



का

अपी



हवज

अपी



मगुजा

अपी



गुगुमल

अपी



मगुजा

अपी



विगुगुमल
मगुजा
अपी

संख

द्यथ



मगुजा

अपी



गुगुमल

अपी



मगुजा

अपी



मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

मगुजा

अपी

ॐ नमः ॥ श्रीगुरुवत्सलाय ॥

॥ श्रीधर्मपंथाय नमः ॥

ऊज्यामनावायकापुजारलथीयक ॥

॥ ॐ नमो गुरुवत्सलाय ॥

पुष्पक तुजाजायां गंधगगायां ईहं ससंभक्तसंयुक्तायः गच्छ
धर्मपुष्प २ माहापुष्पसुपुष्पपुष्पविकारकमनेपुष्पावकजन
कृष्णाहा ॥ दानपुष्पिऊज्यामानस्यनेपालमल्लुलत्रलिगापुलमा
हानगलः हिंजलवर्लुकाजीगः वेधवननाममाहाविहालः
निवासिग ॥ ॐ नमः ॥ ॥ नामनसरायायां पूज्यो

काष्ठापुष्प

गुदिसकलपत्नीवालकस्यः गत्रीजायुलायागुसुखेध्यादि
सुरुरुलसंप्रापिकामनायाः ॥ ससजिलसर्वजागनिवाजल
धं ॥ धर्माधिकामभाकरुलकामनाया ॥ तस्मिंदिनश्रीमगशी
श्री ॥ ॐ नमः ॥ शैलाकविऊयः हवर्जनेजमाः दिपकलश
वाहनाग ॥ गुरुसंपूर्णकलसगनेसमाहाकालः शायुवधी
पंचगवमागः शीलर्क्षिवेधनजादी ॥ चक्रसंभलवर्जवाजाही
पंचमप्राग ॥ पंचमवायुनी ज्ञानुवायुनी मामकिदवदवीः

सहाय॥ अरि विं विं तु माः सर्वतः अगतस्तु उ अही जातमा
ननसापिगासु धंदिनवा विवात अई साकं जीषामी ॐ अ
ई अरिषकं सलस्य ई ॥ ॥ धनदेव याग सानयाक ॥ ॐ
ऊर्मगलं सकलसत्य हृदसि तस्यः ऊनकस्य महासुखस्यः
वलसर्वकृजविपस्यः निस्यख ऊनकस्य महासुखस्यः तस्मिन्
लखतुके पलमा रिषक ॥ पातनं याय ॥ इत्येकं ॥ ॐ पु
न विं वसमा धर्माः गारया सुधा ॥ इ ज विता जगु अानुद

पाचह तुकर्मसुसुखं ॥ ॥ अरिषककाय ॥ ॐ अरि
षकं माहावजंः ते अ तुकं नमस्तु गंददामी सर्ववृद्धानां त्रिक
खालिचसुखं ॥ ॥ धनप्राप्तु इवले न्यावाहनयाय ॥
ॐ गगन श्रीमत् श्री गंगेलाक विजयः हवजने जालायवर्ज धूप
नम ॥ न्याजापयाय ॥ ॥ सुखवसुधप्राद्यादितय ॥ श्रीम
त श्री गंगेलाक हवजने जालाय प्राद्यावमनार्धपुनिक साहा ॥
सायवाय ॥ ॐ अ ई गंगेलाक विजय साहा ॥ निलवर्धय साहा ॥

कृष्णाय स्वाहा ॥ रवमस्तु ५ जाय स्वाहा ॥ यजुर्द ५ ५ जाय
 स्वाहा ॥ यजुर्द ५ जाय स्वाहा ॥ रवर्जपा ५ ५ जाय स्वाहा ॥ हवर्जपा ५ ५
 हवर्जपा ५ ५ जाय स्वाहा ॥ जे जालाय स्वाहा ॥ वरु ला दयी स्वाहा ॥ जय
 वागी ५ ५ जाय स्वाहा ॥ यजुर्द ५ ५ जाय स्वाहा ॥ ॥ पूजा जाला सुमि ॥
 ॐ नमो गते ला क विजय विलः सर्वमाल विना सर्वः सर्वभु
 निवर्तन ५ ५ ने ला क विलं नमस्तु ॥ हवर्जपा ५ ५ नमस्तु ५ ५
 लमाया पुदाषनः जे जाला ५ ५ पाय हवर्जपा ५ ५ नमस्तु ५ ५ ॥

समयकाय ॥ ७ पाठ ॥ पनपानुदवया अतयक ३ ग्व लं ॥

ॐ अमात्र या न प आह वि या प आ या क आय ॥ स्म यनं आय क
म न वि य क ॥ ॥ धली धं का म गु या य ॥ अह वा क नं तु ॥
म गु या य धं का म ल ए आ या य ॥ ॥

धनतालपञ्चायाय॥ आवाहनयाय॥ एगवन श्रीमन् श्री श्रीसठ
गुरुपुमन्यु नमः प्राय आवाहनाय वज्र ध्वनिन्यासमलनया
मह॥ सहावस्रध्यायादिगय॥ श्रीमन् श्री श्रीसठगुरु वज्र
सत्यपुमन्यु नमः प्रायः प्राद्याचम आर्घ्यपुनिक साहा॥
स्वानवाय॥ ॐ हवजसत्याय साहा॥ पुमन्यु नमः साहा॥
नीयनाध्व नमः साहा॥ नीयाय साहा॥ गीताय साहा॥ ज्ञाय
साहा॥ नदिय साहा॥ हिं डिय साहा॥ वज्रपुष्पपुनिक साहा॥

पञ्चायाय॥ ॐ सर्वरागात्मकनत्याः सर्वराग्यस्य स चित्त
सर्वसिद्धिर्भवन्नार्थः नृपनाथं नमस्कृत्य॥ ॥ धनतालपञ्चायायः
धनतालपञ्चायाय॥ एगवन श्रीमन् श्री श्री श्री नन्द वाजुनी
दवदेवीय आवाहनाय वज्रध्वनिन्यासमलनया मह॥
धनतालपञ्चायाय॥ ॐ श्री ह्रीं ॥ ह्रीं श्री ॐ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं
ह्रीं कालकलस्यं वल्ह्रीं कालगंधनामजी॥ ह्रीं कालवियं ह्रीं
वः जमना कालं तु रावयत्॥ वाङ्मय॥ द्यत कानवाय॥

स्वरावसुखाप्राप्तादिभ्यः॥ श्रीमत् श्री श्री ज्ञानन्दवाचनीदेव
 देवीयप्रोशाचमनाद्यं प्रति कृत्वा हा॥ ॥ स्नानवाच्यं ॥
 ॐ ज्ञानंदाय स्वाहा॥ पलमानंदाय स्वाहा॥ सह ज्ञानंदाय स्वाहा॥
 त्रुपिनीय स्वाहा॥ वर्जपूर्व प्रति कृत्वा हा॥ ॥ अत्राः ॥
 ॐ हंसपिथाय स्वाहा॥ उदियानयीथाय स्वाहा॥ जालंध
 लपिथाय स्वाहा॥ निम्मानिवक्राय स्वाहा॥ संशयवक्राय स्वा
 हा॥ महासूयवक्राय स्वाहा॥ वर्जपूर्व प्रति कृत्वा हा॥

पूजाप्राप्तिसि॥ ॐ पक्षपंचमयाकृष्णपंचरत्नं अमवोचकं॥
 समयाचकसिद्धिर्तुः॥ अक्षं दधीकृमातुः नाजीकावालीसुया
 त्रिकुमाददत्त॥ समयचक्रनासिद्धिपिक्का मगादक॥ ॥ अत्राः ॥
 ॐ नीलनिजाउमी जालंध कोयारवमामकि॥
 ॐ कोसजासगा नीर गहा हं वाच॥
 ॥ अत्राः पंचाक्षरं ॥ अत्राः ॥ अत्राः ॥ अत्राः ॥ अत्राः ॥
 ममन्पात्रयधाना॥ गाललउं हाय॥ वर्जडागाडानीधनं

कायराशयाना॥ न्यासनाथाइतयतवियन्याइ॥
धनपंचाङ्कनकायक॥ तेलोक्कविजयइराग॥ हवउवि
दिपंकल २ खंदवकक १ वाकुपूजायाक॥ मंलुयाकय
रागन्यारागतयक॥ धनकाय॥ नाथाइतयतवियक॥
धनकायामंनुपातुसुरगितया॥ धपाइयातविय॥
विपंधीयक॥ धविपंधीयमन्नानीजऊमानयी॥ ॥ धन
ध्याकाशवाहनयाय॥ रागवनगामतगी ॥ कम्नीतेला

कविजयः हवउनेनात्माः दिपंकलदवदवीशवाहनयाय॥
वउधूपनिर्यासमलगम्यई॥ ॥ धनकाकिङ्कनाधन
याय॥ ॐ शालिदासनमंघोपीकल्याणनलवोऊलः शाली
कालीसमाऊगी ॥ संमलंपलममलं॥ ॥ ॐ धनकाय॥
धनशिवमनयाय॥ पूजारधीय॥ ॐ नमारगवपुष्पक
दुनाजायातधगनायी॥ वान॥ उअवाहारउवाहात्मानं
न॥ ॐ श्रीः ईश ॐ शिवाया विष्णुनसर्वपापानपनई॥

निष्ठुवउ गगनसाहा॥ मं लिखनी वडिनीम हाउ नि भय
लक २००० रुठ साहा॥ मं लुल सिं हिका पृष्ठ धर्म निय॥
सर्व ०० तिलक विरुषन साहा॥ ॥ मं न लोह गंधा पृष्ठ॥
दान गंधयः दाने॥ धं को॥ जादिल गंधा धान या य॥ मं गुधिष्ठ
रुमय काल विज गंधा गंधा हा २०००॥ दाने॥ स्वराव सुखाया दि॥
गमन गंधा गंधा मं लुल गंधा कायण या दमना यं उ नि ह साहा॥
साधना य॥ ३०॥ हं म धमि नम॥ हं अ धमि नम॥ यं पूर्व विद

हाय॥ यं जं धाधि॥ यं अ प ल गंधा॥ वंड रुं य॥ याउ प धी पा॥ जाउ
प धी पा॥ अउ प धी॥ यं ग उ ज ला य॥ यं पृष्ठ ज ला य॥ यं ध ज ला
य॥ अ धि ज ला य॥ या व रु ज ला य॥ या र रु ज ला य॥ दाने॥
पृ ज ला य॥ ३०॥ न मा व ध य गंधा न मा ध मा य गंधा न मा सी दाय॥
रु गंधा हं ला न मा सी गंधा न मा धं पृ सी ध य दाने॥ ॥ धं को
जादिल गंधा मं लुल हाय॥ अ व रु गंधा म धा म रु व रु दि पं प
ध धि नं॥ दाने॥ न मा दि गंधा सी सा ल॥ दाने॥ वली वी य जादी

लगया ॥ अकारमृत्वं ॥ वान ॥ सानवाय ॥ ॐ नमो साहा ॥ उमायि ॥
 वत्र नाय ॥ वान ॥ समयद ॥ ॥ धलीधुकासगाकन
 वान ॥ ॐ वज्रसुखसयमनपाजय ॥ वान ॥ विमज्जनयाय ॥
 ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ पंतिदिनत्याउधनमः गलेधं वृद्ध
 विषयननायगमनायवः ॐ मिनाकागधुगक २ वज्रम
 ॐ लविमज्जनाया ॥ सानकायमलुलवाग ॥ धर्मकृद्वृद्धय
 उज्जमानयागमनविद्य ॥ ॥ धनकायरलपजायाय ॥
 लल्लुमा

वज्रवागहिस्वरूप ॥ ॥ उज्जमानयागकायरलपजायाय ॥
 सिंहगनक ॥ ॐ उयागागलचक्रमिच्छुद्धतागमजा ॥ वान ॥
 धलीधुकातकायक ॥ गुण्या ॥ उज्जमानयागविपंधीयजिल ॥
 धनउज्जमानयागहस्यदनक ॥ धर्मलुलविद ॥ जादिन्या
 पूवायक ॥ उरुवर्द्धकसुमाजलीनाधर्मलुलवज्रपुष्पाया ॥
 हो ॥ सानवायक २१ ॥ ॥ किलमयामलुलहायकविद्य ॥
 नृपुमगवान ॥ ॥ नृमालहायक ॥ धनउज्जमानयाग

आदिस्वामिनां वाक्स्थ ॥ ॐ नमो वायुगुह्य वाने ॥
दात्रपुत्रिकाय ॥ १॥ मन्त्रो मन्त्रमूर्तिः प्रोलाक
विजयहवकुने जालादि पंकल जावाह नाले ॥ वलसः
कीजास्यासिधुं जावनपुत्राकृ याकम्मनिः यजावायुगुह्य
हुजहस्यमं लुलं समाहित ॥ जडाजाकाय ॥ मं लुलवी
जडनयादि जडमानयाग ॥ ॥ धनसमाधीदने ॥ जा
किङ्कनाधान ॥ ॐ नमो वायुसंमजाय ॥ समन्वाहजंतुमाव

जा अस्यायां दिक् सस्तिता ॥ ॐ नमो वायुसंमजाय ॥ यागमन्त्र
कलसपानीनवि बुद्धविगं ॥ पीथदीयसगमननविसृद्धदहः
ग्रीपीथमधवलमं लुलं चक्रनाथः वंदसदागुह्यवलसिलसा
नगनः अधिष्ठादीमहावाक्कः ऊस्यामं समापगीः वंदतावज
वाजाहिवक्रसंमत्रनायकाः दद्यावलासुषिगदेहननाथः वीद
सदाजाडिगसर्वगग्रीः वक्रनाथ सहजामलाचः वंदसदा
संमलजागसाजाः नृकाताकृगसाला उहनीलयः पमस्यगह

बलः गल ॥ बलहं सकल लवलं ॥ यत्पान्न सर्वात्मकं ॥ सर्वरूप
विभुदनील यंद व्याज्यं शुंदलं वंद हसह जामलावः वज्रलति
श सहजादयि नायक ॥ ॐ मे त्रिक त्रुल्ल मुदिता उपका ॥ ॐ सु
राव सु ॥ सर्व ॥ माना स राव सुधा ॥ ॐ न्य ना हान वज्र सरा
त्मकी ॥ ॐ न्य विराय ॥ पु ॥ मं न जस ॥ न पयना जा उ व लानि
सर्वापु विष्ट म्क के ॥ द की ना हि म्खा जागी पं चा म्ग व ॥ ति
काः म्ख प कि फ ॥ ॐ ह न्कः चतु माल म्ख यनः ॥ काल म्द

मा हानं ॥ ह ॐ ति ह ॐ ति शु न्य न्प ॐ तिः ॐ प ग ग य ह क ॐ गीः
नका श्री सु न्य विराय ॥ ग न्प च स ॥ ॐ काल म्खा दयः ॐ प
सं ॥ वे जा च न व द ना स ॥ ॐ वज्र सु र्य स हान स ॥ ॐ प म न्द न्प
स न स काल स ॥ ॐ वज्र जा ज वि हान स ॥ ॐ वज्र स त्व स र्व न ॥ ग ग
स ॥ ॐ ह न्क वज्रः च द्वा मा ह वज्र ॥ स ग या ॥ ॐ वज्रः ॥ ग ल या ॐ
प्या वज्रः च द्वा या मा ग वज्रः स पं स्या मा ॐ न्प य वज्रः स र्व यि न्प
ॐ न्प य वज्र प्थी वि ॥ पा ग नी ॥ आप ॥ माल नी ग जा ॥ ॐ ॥

जाकसर्वनी वायुः पर्यन्तः सत्त्वः जाकसर्वनी वायुः पर्यन्तः सत्त्वः
॥ ७ ॥ ननखद वताया विष्णुः हृदि स्थितः पंकाजल विसादल
पर्यन्तः कलिका पत्री च न सूर्यमलुलः गडपत्रिहं कालेन ॥ गडप
त्री नाम नदिरुः संमलंगवयम् ॥ तगवतं कुरुवर्त्मनः सूर्यम
नेतुः का लिङ्गा सन संस्थितं ॥ महारु जयंका जीजाः का प्रमोत्री न
वज्र वा जाहि का लिङ्गनः रुज दयनः वज्र रयंका चत्रं ॥ ऊठा
मकुरु मदिनः कपालमाला जकुरुं सत्त्वः चन्द्रा चन्द्रा चन्द्रा

विष्णु वा जाकसर्वनी वायुः पर्यन्तः सत्त्वः जाकसर्वनी वायुः पर्यन्तः सत्त्वः
साविनः वायु च मनि व्यसनः साधन नल सिलमा जा सना चन्द्रा
रयत्सुडा पुनकं पि कात्र यकुरुं नलाम रय जा सि जामनी रय पिनः ऊठा
पुविनरु सिमिनिः रयन म्दा पुकि कि काः रय लि म्दा रि म्दिनः रय त्या
ज मिना वि सृष्टिः १ गस्या ग ता रु जे व गि जकुरु वल् ७ क म्दा दि रजा
उ म्दा म्दा क सान म्दा रयं म्दिनः म्दा ला वाम रजा वि गिनाः
कपाल व इ म्दा माला द ७ ग्दा जाः द कि न न कुरु यतिः दि स र्वा इ म्दा

उन्नी कल्या ग्रासं महान जात्र धीलं मखाकं उद्याद य समा यसा ना
 यकं महासुखं कृत्वा लिका ॥ ॥ धनया न याय ॥ ग्राह्य कर्तुं ३
 हाकलपासीय पिय ॥ उग्रनाहापयक ॥ ॐ आकाय लयं नमं लुलं ॥
 रवगुनाहापयक ॥ अकाय न सुखं नमं लुल ॥ वज्रपभाहसा ई ३
 नाहायक कनासखपीय ॥ ॐ नंदा विधान ॥ पूजार्थीय ॥ पूषा
 विधान ॥ वलापीय ॥ त्रिभुव ऊई ॥ मंकायपीय ॥ मंगक जा
 ठक पुन्य विराय ॥ ॥ धनमं पात धनय ॥ ॐ नाई मंनु

कजा ठक पुन्य विराय ॥ आकाल नक पालं मं काल न वात्रनी अका
 दनरुजा मिक सुखात्रक व ॥ ॐ निगार उ वा ना कू नं सर्वक पाल
 कलि ॥ अजः नथागत न था र्थ ॥ नवमं नुवलपुया ईत काच
 नूपा मंचरुदाग सकल मं लुल ॥ ॐ लमृय विनायक गनयं
 मिचीगलक ने नव जीवन जावना ॥ सुखल सुल पुदली ॥ ॐ ह
 हाई हकाल हलं न व ॥ हाकाल गंध नासन ॥ हाकाल वी
 यही ना च नृमताकालं लुल वयत् ॥ ॥ रवक कानपीय ॥

ॐ श्रीगुरु हां डी गत्र दामुं डी वि कान पुष्यं हास ॥ ॐ नमो देवी
वात्रनी जेमन सरुवं जेमन वसंक जी जेमन डी साहा ॥
आकषन पया दिनय ॥ ॐ वज्रक पाठ काय प्रया व मना र्यपु
नि कृ साहा ॥ **स्वामि वाच ॥ ॐ वज्रक पाठ काय साहा ॥** समय क पा
न काय साहा ॥ **विसमय क पाठ काय साहा ॥** समय विसमय क पाठ
काय साहा ॥ **वज्रपुष्यं पुनि कृ साहा ॥ पुजाया साहा ॥ ॐ नील**
नी ज्ञाउ नी ज्ञाया जे काय ग संगी नीः र काहं त्या म हं वाच जे काया

एवमास की ॥ **समय काय ॥ ॥ धनमं पुष्यं ज्ञाहा निग वा म स**
न विषय ॥ ॐ सुमनी सुम इन्द्र ॥ गुरु २ इन्द्र ॥ गुरु पय २ इन्द्र ॥
आनय हा र ग व न विद्या ज्ञाउ य इन्द्र ॥ **पुवादि कृष्णाम ज क पीम**
का का साः उ का साः ॥ **गु का साः जम दादी ज मे इति नी उ म म धनीः मय**
नी व जी र वः वज्र व धरु ॥ **वज्र पा का ल इन्द्र ॥ वज्र २ वज्र पंज ल इन्द्र ॥ प इन्द्र २**
वज्र वी गान इन्द्र ॥ वज्र २ वज्र स ल जाला संगी ॥ वज्र जाला न ली जाल
का ग य इन्द्र ॥ **य य घाठ य घा ग य सर्व इन्द्र न इन्द्र ॥ कीलय २**

सर्वपापानहंरुह ॥ ॐ वज्र किल य २ वज्र धना श्लाघयंकि ॥ सर्ववि
द्याकायवाकचिह्न ॥ कीलय २ ईरुह ॥ ॐ वज्र मंगलवज्रकीलयः
माकाठ २ ईरुह ॥ महासुखनीलयचिंतय ॥ ॐ जालावलिबजाय
ली ॥ ॐ पमावलि ॥ पुनसुर निखादीदिग्वंधन ॥ ॥ धनया
मयाय ॥ ॐ पुंजांतीं ईं मं लां दं मीं कां डं तिं कां कीं लीं कां ह्रीं पं सीं
ह्रीं सिं नं सिं मीं कूं ॥ पी ॥ अ प पी ॥ ॐ कृपाप कृपा कृपाप कृपा मलाप
का २ स्म ॥ अ न मे ॥ ॐ शक्र धर्माद्यम ॥ ईं कालगद न हृदी

वि न ईं काल ॥ तसिं मृडा सत्ता र्यं मृक नील रव न सिं गा मृना
दिसं सिद्धि ॥ श्रीचक्र संचल स मादलय ॥ ॥ स्वरास ॥ अ प्राया
दि न य मं लुल ॥ श्रीम न श्री श्रीचक्र संचल वज्र वा जाही रु दान काय
पाया व म नार्थ पु तिष्ठ ता हा ॥ जा कि न्या पू वा वा य मं लुल ॥ त्वान वाय ५१
ग्रावज ह ह नृक ईरुह ॥ जा कि नी जाल संचलाय ता हा ॥ ॐ ह्रीं ह
रु ईरुह ता हा ॥ ॐ ॐ ॐ सर्ववृद्ध ॥ जा कि नी य वज्र व ह नी य
वज्र वे वा व नी य ईरुह ता हा ॥ ५ ली द थ स ॥ क वाल वा य शु थ ॥

ॐ दाकिनीय ईरुठ साहा ॥ तामाय ईरुठ साहा ॥ खंदाया हाय
ईरुठ साहा ॥ त्रिपिनीय ईरुठ साहा ॥ वडक याठ काय ईरुठ साहा ॥
समय क यात काय ईरुठ साहा ॥ विसमय क यात काय ईरुठ
साहा ॥ समय विसमय क यात काय ईरुठ साहा ॥ कल २ पुच
दाय ईरुठ साहा ॥ कू २ वंदाकिनीय ईरुठ साहा ॥ वं २ पुला
मनिय ईरुठ साहा ॥ या २ म हा ना २ य ईरुठ साहा ॥ कात
य २ विलमनिय ईरुठ साहा ॥ हां २ खर्वलीय ईरुठ साहा ॥ हल २

लंक जीय ईरुठ साहा ॥ रुक दुम काय ईरुठ साहा ॥ रुठ २ ७
लावगीय ईरुठ साहा ॥ देरु २ म हा ले ज वाय ईरुठ साहा ॥ पच २
वाय वाग य ईरुठ साहा ॥ रुक २ व सत्र धी जा ला वलं विनीय ईरु
ठ साहा ॥ स जा रु क नीय ईरुठ साहा ॥ गुरु २ स फ या गाल रु उं ग
स फं वा ग फं वा ॥ गऊ य २ सा ना द वी य ईरुठ साहा ॥ श्री कठ २ सु
रंदाय ईरुठ साहा ॥ ह्रीं ह्रीं ह य क ह्रीं य ईरुठ साहा ॥ ह्रीं ह्रीं व ड
न ना य ईरुठ साहा ॥ कीरु य २ व कु वाग य ईरुठ साहा ॥ ली हा

सा सा खं ना हा य ई रु ठ सा हा ॥ हा हा त्र दि नी य ई रु ठ सा हा ॥ इं २
व कु व र्ण नी य ई रु ठ सा हा ॥ दि नी २ स्र जा वि जा य ई रु ठ सा हा ॥
सि वि २ म हा द जा य ई रु ठ सा हा ॥ दि नी २ व कु व र्म नी य ई रु ठ
सा हा ॥ वि वि २ म हा वि जा य ई रु ठ सा हा ॥ का का सा य ई रु ठ सा हा ॥
उ ला सा य ई रु ठ सा हा ॥ सा ना सा य ई रु ठ सा हा ॥ स्र का सा य ई
रु ठ सा हा ॥ उ म दा दी य ई रु रु ठ सा हा ॥ उ म इ ती य ई रु ठ सा हा ॥
उ म म उ नी य ई रु ठ सा हा ॥ उ म म थ नी य ई रु ठ सा हा ॥ वं द

म य ई रु ठ सा हा ॥ गं द ला य ई रु ठ सा हा ॥ जाला कु ना य ई रु ठ सा
हा ॥ क लं क ल री ष ना य ई रु ठ सा हा ॥ अ द हा सा य ई रु ठ सा हा ॥
ल र्जि व र्ण य सा हा ॥ धा ला ध का ला य सा हा ॥ कि लि कि ला य ई रु
ठ सा हा ॥ ॐ न म सर्व न धा ग रू व ल ली न वि जा स न मि त्त ॥ श्री व
कु स न्व ल र गा ज का य उ ई व ई प मि त्त कू स मां उ ली ना थ हा
मं लु ल व उ पृ षा न्या ॥ ॥ पू जा ना सा का य र सा द म ॥ ना उ ॥
ॐ रु व ल य द ल नी लं ति म क मा ला व लं धा म नी ॥ म हा वा य वं

सा न ला रा म हा म द नी मं पु ल ॥ सु ह मा व ला ॥ त प चि त की ग प मा
स मा ॥ मां का ग न र मे जी सु न ॥ द न्द मा द जी गा य न ॥ स र्व वं द्या दि द
वा न क जी ल ची क ॥ हा सि ता ने क दे ला क लं जा क न का क वं ॥ स र्व स त्ता
ज ह जं ॥ व्या द्रु च म वि लं ॥ इ व जं धी लं गं रि लं ई का ल दू ठ का ल ॥ हा हा
का ल उ मं प र्व स र्व वि लं ॥ वि स र्व जा ज ड च न्दा क ल क र ल ॥ अ त मा
हा ॥ का ल सु ग लं म हा स क गा हा जं ॥ क न न य उ चं ॥ स मा अ ज स ॥
ई य ग मा पं गु ॥ अ द य ह्ना न पु न्यं स रा वा ग ना विं ग न म न मा न ॥

ग उ र्व म वि लं ॥ व्या द्रु ह्ना द यं वि स्तु ल स जा ग ॥ क र्ति कु ल व उ र्व ॥
वां ग पा म ल स ॥ उ क म द क पी ल न पा न न पु लु ज र उं सा र मा न
म हा मा स म द्वा सि नं ॥ अ यी नं मी जी नं ह्ना नि नं धी ध वं ॥ रा द अ ॥
ध व कं ति अ नं पु धी नं न म् डा व ली र व नं री य नं ली य नं ॥ पा व तं
सा ल वा ग ॥ तं क्ता पि नं मा ल वि द्वा य नं ॥ ग्रा व उ स त्व न म ॥ ॥
अ न र उ ग हा नी ल र व हा हा या य ॥ ॐ श्री ह् ॥ ई रं द्या जा ई ई क ठ ॥
सि ह् लं र व न का न धी य ॥ ॐ श्री ह् ॥ ई श्री ॥ ॐ श्री ॥ ग्रा या दि न य ॥ ॐ

मदपुष्पक नृणाः मन्दाख्यसूडांगी व्यपगतवसना द्यादसा र्धवला गीः
 सिंघजात्रनदहृत्सहपुराः खनवीलवीनायका ॥ पृथास्यानगरुडैः
 वसागकजगजानाविभजकना गीसंसाधिविभनकलग्नः वाजाहि
 कावडीनीः सर्वसिद्धिपुदायि कारगवमिदवीनमः सर्वदायामीनी
 खजुमारुनीसंवाविनीः सर्वसंक्रासनीतथसूचीमलायाग्यसली
 वंदीकाचत्यागरुडमकभाननं सुखमितलसितलो जीवनिः स्यामा
 धर्मधर्मसततंदमदातालुवंः शुभ्यमाकनृत्तमानंः हेअनुकंस

रावकं ॥ इलीतकल्याणीनीगजीनमस्तुवर्जयागि ॥ ॥ धनसि
 लेलराहाहायाय ॥ ॐ नमः ॥ इ नमः ॥ मकरपुयरावनाहावकुका
 नासिलपीय ॥ ॐ सर्वत्रोतामजीमाहामकनंपुनिकलाहा ॥
 मंरालनहाहायाय ॥ ॐ समयसत्यज्ञानसम्पदयात्रिरावयवि
 क्रयत ॥ ॐ नमः ॥ इतिष्यकंमहिषिं यितुमासर्वगभागकृत् ॥ ॐ
 शिष्यकमहावडनेअनुकंसमस्तुतंददामीसर्ववृद्धालः ॥ ॐ गुरु
 पवसंराव ॥ ॐ दंतसर्ववृद्धत्वय्यमाकं पृजनायवः मकरपवक

वि
 लोठराय ॥ ॐ सर्ववृद्धमहामकृतं पुनिकु स्वाहा ॥ **यं धवड ॥ न सि**
अधि य ॥ ॐ वडा ॥ अयमलीकं नृनि विं विनुमा ॥ सत्यवडी ॥ जल
वडी ॥ ॥ मय वडी ॥ केमय वडी ॥ ॐ नृनि विं विनुमा ॥ ॐ ईशुं हिं
रां ॥ ॐ ॐ ॐ वडा नुमा हा ॥ नृया निष क ला म सि य ॥ ॥ वडा निष
क ॐ ॐ क सर्ववृद्ध तं ग ॐ वडा सु सि दय ॥ वडां धी य ॥ ॐ नृम
क ना म म ह व सी ॥ ॥ स रा व स ॥ क या प्रा या दि ग य ॥ यं व
इ म य प प जा या य ॥ ॥ क ना त ल न वि य ॥ ॐ न मा रु ग व ग य

ल विल स जा य ईरुठ ॥ क ला गी न सी रा व थ ईरुठ ॥ ज ठा म कू ठ ग का
 य ईरुठ ॥ इ षा क जाल गी ष न म रा य ईरुठ ॥ स ह पुं र ड हा स ज रा
 य ना य ईरुठ ॥ प र पु पा स रा दां ग ॥ वि ल य ईरुठ ॥ वा पु डि न
 व ला य ईरुठ ॥ म हा ध मा ध का जा य व पु रा य ईरुठ ॥ ॐ न मा रु ग
 व पु व ड वा ना हि ॥ व नृ य प ज डि ल ॥ नृ ला क मा रु म हा वा य स ज
 सर्व र म व या व ह म हा व ड ॥ व डा स न नृ य न नृ प ज डि न व स क
 जी नृ ॥ अ म नी वि र व सा र व नी ॥ ला र व नी कृ ध नी क जाल नी स न्ना स नी ॥



का जाय ॥ ईका जाय साहा ॥ अर्कका जाय ॥ कजालीय ॥ बर्जपुष्प
लिकसाहा ॥ ~~सुंदरीया~~ ॥ ॐ शयवधीयसाहा ॥ उषवधीय ॥
विधिये जाय ॥ सुखवधीय ॥ सुमीनवधीय ॥ ~~गुरुप्रसाद~~ ॥
नदायसाहा ॥ रुडाय ॥ उयाय ॥ सोम्याय ॥ कपिजाय ॥ ~~हनुमंत~~ ॥
गुलमिरीयसाहा ॥ सुमिरुतनिवा मनीयसाहा ॥ गुसाहा ॥ ॐ
साहा ॥ ~~सुंदरीया~~ ॥ वैष्णवजायसाहा ॥ मानोरुडाय ॥ पूर्णरुडाय ॥
धनदाय ॥ वैष्णवजायवजपुष्पपुनिकसाहा ॥ ~~सिंहमिक~~ ॥ जाया

गीत ॥ ॐ नमस्तु पंकरवधानाः नृकाद्यादी कुलंतयः मध्यवेजा
वनंनार्थः पंचवृद्धं नमस्तु ॥ रुजभापलमंदव कार्यसिद्धिवि
जायकः गुरुगुरुपसंपुनंद हिमसुखसंपुद ॥ साहालकपुवन
समाजुदवृद्धमालजदकः कर्कमिधनंनार्थमाहाकालनमाम्पहं ॥
शयवधीउषवधीविधियुक्तासुखगभाः जायुजायागधनज
नगुलसंमानसंगुलसुपुवधीजसु ॥ नदार्डुडायसोम्याकपी
जायकृपावतिः पुनिकिधमाहालर्क जायुजायागसंपुद ॥

ਅਮਰਿਕਾ ਵਿਖੇ ਪਾਏ ਗਏ। ਵਿਰਾਟ : ਰਾਮ ਅਜੀਤੀ।

अलर्कि मा सदावी सर्वसंपुति पतिदायकः सर्वकामपुदादवी अलर्कि
य नमाम्यहं ॥ जूअ संविअ भंआ गंवे चवल्ह म हाकलं वेअन
लमहंयन् सर्वसंपुतिदायक ॥ ॥ समय आय ॥ मत्त ॥ ५४
मावा ॥ ॥ × ॥ धनपुधन वाजनीप आयाय ॥ मीन वा नय ॥ गावा
हनयाय ॥ व्यागलं ॥ लगवने गीमन् गीपं च मवाजनीयव अ
पंत्रियासि मल गयाम्यहं ॥ आकि क ना चानयाय ॥ ॐ गन् गुन्य
विलव्यः गन्धकलनागस्थः शिदलक मलापलीः वज्रलक ॥ ५५ ॥

[illegible]

ॐ नमः ॥ श्री चक्रसंमलः ॥ श्री नंद बावनी यथा यथा च मनस्य
पुनिकु साहा ॥ ~~स्वा न वा य~~ ॥ ॐ चक्रसंम जायसाहा ॥ ह्ना जदा
दित्रयसाहा ॥ जात्मा यसाहा ॥ खंदो जा हायसाहा ॥ त्रुपी नी
यसाहा ॥ वर्जपुष्पं पुनिकु साहा ॥ ~~न वा य वा य~~ ॥ ॐ श्री न
दा यसाहा ॥ पलमानंदा यसाहा ॥ विलमानंदा यसाहा ॥ सह
जानंदा यसाहा ॥ ~~॥ धापी न~~ ॥ ॐ हस्तपिथा यसाहा ॥ अंदि यान
पिथा यसाहा ॥ जालं धलपिथा यसाहा ॥ निमनिचक्रायसाहा ॥

वर्जपुष्पं पुनिकु साहा ॥ ~~पूजा जा सा सु नि~~ ॥ संम जायत्रमसुखं
दा बा जायत्रमानमः ॥ वर्जु पीता यदे वाय चक्रसंम जायत्रनमः ॥
ॐ श्री नंद पलमानंद सह जानंद त्रुपिनी ॥ चलो जदि गस्ति गादवा
नमामी जागमाहनी ॥ ॐ विलनी लाउनी जागनः ॥ ~~वान~~ ॥
~~स्वयं दाय~~ ॥ ~~मन धिय~~ ॥ ~~अधम~~ ॥ ~~ई काल या य~~ ॥ ~~॥ धन पाय~~
~~पूजाः पातक या मं य लखं~~ ॥ ~~अला मं लु ल म य~~ ॥ ॐ मंखा दकं पुनिकु साहा ॥
~~सिंह लं खन काम वा य~~ ॥ ॐ श्री नंद चक्रसंम जायसाहा ॥

प्रायादिमयः ॥ मग श्रीवर्जक प्राठ काय प्रायाचमनार्थे पुनिक
साह ॥ मानवः ॥ ॐ वज्रवैद्यनीय साह ॥ वज्रक प्राठ काय
साह ॥ समयक प्राठ काय साह ॥ त्रिसमयक प्राठ काय साह ॥ स्म
यविममयक प्राठ काय साह ॥ ॐ अकिनीय साह ॥ आत्माय
साह ॥ रवंधीया हाय साह ॥ जपिनीय साह ॥ वर्जक प्राठ काय
उपप्रापुनिक साह ॥ ॥ पूजा साह ॥ ॐ अकिनीय
जामाः रांधीया हा जपिनीय तालेदिगि सिंगादवीः नमामोप

कों
वृत्तादिनयनमः ॥ समय काय ॥ ॥ ॥ धनसमा कलवाभासां
तुनया ज्ञावा हनया ना पंचवृद्ध नरुपं पूजा साह ॥
धली धर्म कायक ॥ किर्तिकेलसमं नृणां तय ॥ का ज्ञा ज
देना काय ॥ ज्ञावाहन ॥ एतव न संपूर्ण मास कीदवीय वज्र
धूपनमः ॥ धन धामन ॥ ॐ सां काल मोस किजना ॥ तउद्य ॥
जासराः गतुं काल उं पमराउन रावयकुधी ॥ ॥ नाना काय
कृष्णवज्र ॥ ॐ धनसरां ॥ गथा संपूरा रा म हा ज ग उ वा

रुतः सयक पु सयपीनः सयक सयसिंगं ॥ सयसा मसय
नीलः सयह सु सव नवलं ॥ सयपु ह्ना सु रण पायः सयक न
उ सु ५ ॥ ५३ खराव सु रण रा व व उ स स सु ख सु ता ॥
गीत रा न म सु ल ॥ ॥ न्या म जा प या य ॥ ॐ ईं शां हिं षं
सा हा २१ मं क पा न न य ॥ ॐ आ ईं ह हा डी ग न र मंडा विष्ट नः
र हा डी क र सा हा ॥ व डे थि य ॥ व डे न क डी ॥ ॥ ध न स ल
व सु ५ ॥ प्रा या दि न य ॥ ॥ म न गी स प ॥ मी म कि द वी य प्रा या

व म नार्य पु ति क सा हा ॥ सा न वा य ॥ ॐ स प ॥ मी म कि य सा
हा ॥ ॐ गी जी द वी य सा हा ॥ उ ड पु दा द वी य सा हा ॥ ह मा ल या
द वी य सा हा ॥ मा म कि य द वी य व डे प ॥ पु ति क सा हा ॥
पु जा रा सा सु ति ॥ ॐ न क वं चं क सं का सं ना रि म च य व हि
नः ख दा रु डे कि ता दे हाः न मो मी ज्ञान नृ पि नी ॥ स य क य ॥
प न ॥ ॐ ध म वा या य ॥ ॥ ध न म सु ल पु जा ॥ गं क य क ॥
जा कि जा ना गी रु वी म ॥ ॐ न म गी य डे वा न हिः स म नार ह लं तु

मावडाः अस्यां दिक् संस्थिता ॥ उरु काल समासिल सह जान
 न्य कर्पीनीः पुष्पा गन्ध नाधि जाजागी नमस्ति वज्र जाति ॥ ॥
 उरु पलिकाय ॥ न पौगाय सकलया ॥ हाने वज्र सजक सुरु
 केन का मं लुल गुरु ॥ जाकि कुना ध्या नयाय ॥ ॐ नमो जीवत
 वाजा हिय नम ॥ मंजी कर्प ना म्दि गाउ पकाः स राव सुध सव
 धर्मा लः स राव सुधाई ॥ ॐ उरु ग सु ध सव ध मा ल जा ग
 सुधाई ॥ ॐ पु ध म न ल स ध न पर्व गा वाउ व ध न स वापि

विस्तः मकुठ क ल प जि ना रि म् य र गिः पं वा म न व र्कि का
 म् र व पु कि य ॥ गी ह रु क व उ र क र्वा मा ह व र्तः ॥ ग न था दे ष व
 उः घा न था ॐ षा व उः व क्थ या जा ग व उ ॥ स र्क स्या मा स र य वि
 उ ॥ स व यि तु न षु द व ता वि भु वि ॥ त न ना रि स स र य मं लु लं
 प जी का ल ग ल्य जी ना म न व उ या गि रा वे य न ॥ दि र जा दि म्
 षा क र्कि क पा ल ध न जी ॥ म कु ग क ल रि न गो र्प क् म उ वि र
 पि ता ॥ पं क व ड मा हा म कु नः ॥ उ र पु र्य क न्द्र पा व स व ह द स ॥

समसूर्यादिमन्त्रः उवा सिंइ ज संनि रा ॥ कालासाद कान
नसा क्रीडास्य वामन ॥ सर्वविषलमाधनः वक्रया स्म वि
गमहासुरं क र्ना सिद्धा ॥ ॥ गीतजयं वाहली ॥ निलहं काल ॥
धनया गता पयय ॥ ॐ ॐ ॐ सर्ववृद्धता किनीयव उवेजा
वनीयव उव अनीय ई रुठ साहा ॥ ॐ धया धनय ॥ ॐ रंदा
जा हई रुठ साहा १० ८ ५ का वजं धिय ॥ ॐ वजं ज रुई ॥
ॐ कायकाद सा निजा उनी याय ॥ मइ सा माहा ॥ स सा वसु ॥

प्राद्यादि नय ॥ एता वन गामन गी गी व उवा माही देवदवीय
प्राद्याव मना दं पुनिक साहा ॥ ॥ सानवाय म लुलु ॥ ॐ हं
हृई रुठ साहा ॥ वव उवा माहि ई रुठ साहा ॥ वव उवे जा चनी
युई रुठ साहा ॥ व उवा माहिय ई रुठ साहा ॥ क नाली वाय ॥
ॐ व उवा माहि साहा ॥ हाया या मिन साहा ॥ लीभा हुन साहा ॥ ह
हो संवाजी न्य साहा ॥ ईई संग गान साहा ॥ रुठ र व लि काय साहा ॥
हव उ सता य साहा ॥ नमही वे जा वनीय साहा ॥ ॐ साहा ॥ ई साहा ॥

हासाहा॥ ॐ पु र्यनृप नाराय साहा॥ ई वा घ ठ न ल सं र वा य सा हा॥
ई ई हा व ऊ स र्वा य सा हा॥ ॐ २ प ल मे नाराय सा हा॥ व ऊ पु
षा पु मि क सा हा॥ ॥ ~~क्रा स सिं ह मि क~~ ॥ ~~ऊ का वा य~~ ॥
~~सा न का य~~ ॥ ~~स म य का य~~ ॥ ~~ना ग वा य~~ ॥ ॐ श्री व ऊ वा ना हा
दे व दे वी य र व न न स न न र ग ऊ न संपु दी ष या म्प ह॥ ॥
~~न न वि य~~ ॥ ॥ ~~ध न न ल प न वि य~~ ॥ ॐ स रू नी स रू ई रू ठ ॥
ग रू २ ई रू ठ ॥ ग हा प य २ ई रू ठ ॥ अ न य हा र ग य न वि शा ना

ऊ य ई रू ठ ॥ ज ग ई रू ठ ॥ ॐ श्री ई रू ठ ॥ उ ऊ ई रू ठ ॥ म प्र ई
रू ठ ॥ ॐ ई रू ठ ॥ ॐ उ ई रू ठ ॥ ॐ ओ ई रू ठ ॥ ॐ अ ई रू ठ ॥ ॥
~~रू का ना म्प ह~~ ॥ व ली ॥ ॥ ~~द क ना का य क उ रू~~ ॥ ~~ग य म्प का य~~ ॥
ॐ मां पृ ग रू ल संपु दी ष या म्प ह॥ ॥ ~~द य ध म ना ना पु य~~ ॥
ॐ न म श्री व ऊ वा ना हि य न म ॥ ॐ मा या व कृ पि ना य जी ल द
सि ष ला वि सु ना का ल नृ पाः द ग धा धा तु स म ना स रू ऊ न वि ष
स य न क ल वि द स मा ह॥ रू का लं दा व यी ताः स म वि र व म स मा

हृदयित्वानरुद्धां॥ निसंदासस्मात्सहजनविनीतावदितादव
संगी॥ यादवदीक्षु पात्रिरुवनजननीः सर्वरावविशिना॥
अकानिकरावाजगदखिलमिदं॥ व्यापिनीविष्णुमात्रा॥ अवेवा
गसमवाधितयजननीः व्यापिनीवृद्धमात्रा॥ प्रानायस्यापु
त्रम्यपुत्रुतिगुलवसासुर्यसुरसरावा॥ देदेरुठकालनादः
दिलि २० लवः रतव्यगालवदे॥ हाहा मरुहास्यदिविगन
सकलः मयलोक्तसनाथ॥ सिद्धिजेषुपसिद्धिमूर्तिवत्सहि

गं॥ मयलोक्तसवद॥ त्यांदवदीक्षु मत्रपासकलजुताहला॥
रतवदेसमता॥ प्राप्तायस्याकनाठं॥ सीकलधवजाकहि
कासबहस्मा॥ पुतायुधसनस्त्राटमडुननउनायाधलीया
लनादा॥ जकागीहासवगतलीगलसनयारीमनादासुस्वरा॥
सर्तुनागाभदाः सकलगुननिधीमागजगमानमम्॥ यासासिधुं
जवलात्रिरुवननमिताः साधुपयकिन्ना॥ दिवीरगाजयडा
तलतलीगलमः प्राप्तीनावागलाका॥ मृदुमालाभगाङ्गनवा

मरगजीगः मृगकमतिनतां ॥ वन्दयसीसदाविपुहवन्दि ॥
गमाविभमृदिकृत्पीः मुचमाकृत् लनमानः गेभमृदिकृत्
रावकः कलीगकल्यागिगजा नमस्तुवजयागि ॥

हृदयराधान ॥ दानपुनिकृत्मानस्य ॥ ॥ सकलजनपलीवाल
कस्य मजी जायला जागु सय्ये ॥ य्यादिसूरु रुल सग पि कामया ॥
न सिं दिनका जामा गा गा च न कृष्ट गं ध पष्य च पदी पगी ध वृची
पलापुर्न नमस्तु ॥ ॥ धननाथा इ न दय पूजा याद ॥ धंका

काहसिंहमिजाकाय ॥ धनकापुष्टाकाय ॥ देवयागइनमयका
वाकपुष्टाकाय ॥ ध किने १५ माग यामे लुलैवा ५ मेलुलै १
धनरथकाय ॥ सकलयागवियक ॥ विपंथाय ॥ धंका आवन
याय ॥ ॥ धनअंपनय ॥ ॐ सर्ववृद्ध योगाम्ना नमस्तुहा ॥
पंचवृद्ध मृपंपुष्टाकाय ॥ ॥ धन नकाय ॥ देवयागमे
कइननयककाय ॥ मरगवनगु मरु गुगु मरु नी गुला
कविउहवजनेनाला दिपंक लदेव नकुड धपंनीया समजग

आतामनेताः कनका जे श्री ॥ जकावृषादेय किंता मृगमका ॥

मुखापि लुवः ममाः पुमतिः मयुका जोयक

यामह ॥ नभाई ॥ छिं चक्र हाके ॥ नतिरिषना ॥ न्या ॥ आपया
य ॥ ऐलो ॥ विजययाग गपातयक ३ आपसां ॥ निलरुगुनं
जोममा ॥ हिवजयाग १ दिपंकल निस्तुसिंग १ क १ क ॥

धंका ॥ अजम ॥ लधियक ॥ उजमानयाग पूजा विवाधवपूजाया
क ॥ बाळपूजासमग ॥ समयनकायक ॥ मगवीयक ॥ धंका गाठयाय ॥
वचमाकाहाल ॥ ॥ धलीधुका धडाहा नयागुवला ॥ जाकिर

हायक ॥ शृकाप्रामरां ॥ स्नानकाय ॥ ॐ दायसाहा जंमावाय ॥ समय
निजजननेः नुचिभे ॥ लवखनविलमूर्ति ॥ आकासपः वरु वल च द केसा

उगके नाचयी ॥ क मालमुरव ॥ कजाये श्री भोजनः सकल
मादकाजनगनाथ ॥ —

काय ॥ मगविय ॥ इका लधियाः मंरुपागपांक ॥ धनउजमानया
नगुम ॥ लयनक ॥ जाकिनापूनाकायक ॥ उइव हाकुरमाड
लीनाथहाम ॥ लवउपूषायास ॥ स्नानकायक ॥ ॐ हमधमपूव
नम ॥ वास ॥ जाकि लतया मंल हायक विय ॥ नृवृगमया
मरु ॥ दीय ॥ ॥ धनकि नकाय ॥ ॐ नभा वृधायः गुत्रय

नभाधमयिः नात्रनीनभासदाय ॥ मरुम गुम मउ रासनक
जायः रग ह्या मसामी गुत्र नाथ पुसी धयः उस्पुमाद

सर्वपभासाः सरुमुखच ॥ निरनि ॥ वपरवावह मि ॥ काने पुदीपाः वनीये सिनेपि ॥
मा योनेतानाथ नामकरी प्रवीक्षा ॥

श्री गुरुवाचक

कनकसदृशजीकागमगलपलंपुराया॥पञ्जीकलपहगाधकाला॥
 पस्यंविमाविलधमिसहि॥**हृदयानि॥** **॥धनदययाग॥**
 ॐ नमस्तुपंचवृक्षानां॥**कानि॥** ॐ नमस्तुगुणैलाकविजयविलं **सर्वमाल**
 सर्वगुरुनिवाजलं॥**लैलाकविजयायनमाम्पह॥** ॐ हवजया **विनास**
 यनमस्तुसंमालमायापदोषनः॥नेत्राला॥**गृपायहवडा**
 यनमस्तुस्य॥**कलसयाग॥** ॐ नमस्तुपंचवृक्षानां॥**क**
 दिक्कलगयः॥मध्ववैजायननाथपंचवृक्षनमस्तुस्य॥**हृदयानि॥**

पलमंदय॥ **॥माहाकालकृष्णवर्त्ममाशुदं॥**
 शायवृषिउभयवृक्षी॥ नद्यारेडाऊयासोम्या॥
 गालकिमाहादेवी॥ वसुधैवासासदानत्वा॥ **संभव**
 यनमस्तुस्य॥ **निलनिजाऊनीजाग॥** डाकिनी
 जामाखदीनाहाशपीनीः॥बलालदिजधिगादवीः॥**दाकिय**
 नमस्तुस्य॥**पण॥** **किंकलसयाग॥** ॐ नमस्तुपंचवृक्षानां॥**क**
 रिमध्ववैजायननाथपंचवृक्षनमस्तुस्य॥**हृदयानि॥**

एवमपि मन्त्रायाम् ॥ ॐ शनं दुपलमानं चः सहजानंदरूपी
 नीः वत्सालदिगम्बि नादवीनमामी हानदा किनी ॥ नीलनिला
 उनी आराः ॐ कासंग संगी नीराग ग्राहतामहवाचः ॐ काया
 एवमाम कि ॥ ॐ असंयित्त भंजानः वेणवर्क महाकलः वेण
 नलं महं वन्द सर्वसं पुनिदायक ॥ मं लया ॥ ॐ धमादया
 गत सं का मरुपीः संजान पुन्यदूता विलासी उनिदमागा
 उनि सदसीत्वा नमामी गात्रे कृष्ण भजीत्वा ॥ नमामि वज्रवा

१०
 हि मं नमस्तेति न भजीः ॐ नमस्ते वलदा विंमात्रय विवा
 भनी ॥ यवै कोलसमा सिलसहजानंदरूपिनीः पुद्गाय
 नासत्रपायनमस्तु वज्रयात्रि ॥ वलीया ॥ ॐ युष्मायनीमा
 हादवीः ॐ आयनी नथवर ॥ कोमालीनीमाहादवीः वेणुविय
 नमस्तु ॥ वाजायनीमाहादवीः ॐ नायनी नमस्तु ॥ वाम
 डायमाहाल कि नमस्तु ॥ ॐ नादया माहावाजालोकपाला
 महचि काः दम हि कृष्ण गावी जालोकपाली नमामहे ॥ ॥

हाकलप॥ दानप गिऊडा मानस्य हि जनेवर्त्तुत काज
 मवे मवर्त्तु नाम माहा विहाजे निवासिगः मवर्त्तु म
 नामनायां चर्मगस्ति स कलपजीवालकुस्यः मजी जाय् जाला
 रासुखे मयादि सरु कल संप्रापि कामये ॥ रु सिं दिने ॥ म
 मरु गु मवर्त्तु मनी ॥ रुला क विऊयः रुवउने जाला दी पक
 रादि जावाहना ॥ रुसु सपु कल गने समाहा कालः म
 यव विपच ममागः गुल कि वे मनादी ॥ पय मवाजनी ॥

पय मप्राग दिः वकु समलः जानन्द वाजनी ॥ मा मदीदवी ॥
 गुवउ वाजाहि माहाम लुलादि जावाहना ॥ यलस को जाला
 सिध जावन पुडा कया कर्मन ॥ रुवु गस्ति पृषा चपदीप
 रुसु सव वधी पजीपुनः नमसु रु ॥ राव हिनः रुकि हिन
 कया हिनः मरु हिनः रुमसु पले म गलन मानस ॥
 धनउडा मानस लुल विगउ नयाक ॥ रुवु पुडा याक ॥ दक
 नाकायक ॥ कल स ग ३ मयास धी ॥ धन पुडा याक ॥

धनमंलुलधिक॥पुंजयाके॥दकनावियके॥धंलीधंका
पुंवाकगलयाके॥शीपंधीयधंका॥सुंफाकयातनके॥
उकासेवदितीदिविमजसमनसुःमंगलभाडिसुशु॥
धनमंलुलसगाकलयाय॥जाकेकना॥ॐवजसत्वस
मय॥वाजा॥धनमंलुलसगा॥हो॥दवजागनजका॥स
कलयागनंजनीयाके॥धंकाधमि॥नयसंलुल॥
वजय॥ॐधनामंलुलसगाकलयाय॥ॐवजसत्वसई॥

वोत्रामना
वजसंलुलधीया॥डापडावजडागय॥ॐसर्वदिकुवा
जामनीमाहामयुगपुनिकसाहा॥उजनीनीयाकविय॥
ॐवजसत्वसमयमनपालय॥वजसत्वजनपुनिसुद॥
भरवसासागभरवःसुपधाभरवःअनजकभरवसर्वसि
धिभपुनिकःसर्वकमसुषमचिंतःगोपेकनईहृहृहा
रगवनसर्वनधगगु॥वजमासीमूववजोरवमहासमय
सलगा॥मनमनवाजाधिक॥जावियजनकेदवयाग॥॥

अनसिंहसिद्धिविद्यद्वययोगः॥ धंकाधर्मकथाः धर्मनीतिः॥
अलनाधीश्वरयन्त्रिकः॥ सकलयोगः॥ पंचसूत्रहाशुभाप
विद्यकः॥ स्नानविद्यः॥ ॥ धंकायादकायकः॥ प्रातुनउं
हायकनाकं॥ ॥ ई ई ई देहायकः॥ नकिदं नुत्तनं॥ धंका
रायलिहायकः॥ धर्मदकायकः॥ धर्मदकायकः॥ धर्मदकायकः॥
कि॥ द्वादशतमः॥ धर्मजानकियातदी॥ सगाकलह्वीना॥
धंकासंयकायकः॥ समयकायः॥ विषयः॥ ॥ धंका

इनेकापीसः॥ द्वादशतमः॥ धर्मजानकियातदी॥ सगाकलह्वीना॥
यातः॥ धंकासंयकायकः॥ धंकासंयकायकः॥ धंकासंयकायकः॥

गाहीरुयागानयकः॥ धंकाकलह्वीना॥ धंकाकलह्वीना॥
धंकासंयकायकः॥ धंकासंयकायकः॥ धंकासंयकायकः॥
उंमासुवृकः॥ ॥ धर्मजानकियातदी॥ सगाकलह्वीना॥
य॥ वउपूकायायगु॥ जाकित्तग्यानकासुवृकः॥ स्नान
वीय॥ ॥ न्दायसाहा॥ उमयि॥ वीना॥ गीगु॥ ॥ न्दायसा
माहाजाजा॥ वीना॥ धर्मजानकियातदी॥ सगाकलह्वीना॥
तया॥ वउजा॥ ॥ न्दायसाहा॥ उमयि॥ वीना॥ गीगु॥ ॥ न्दायसा

वउजा
वउजा

साय सिध बादि २६

विपंथाय ॥ हाउ नयाय धं का ॥ ओ नयकः सितावसा गयक ॥
धं का गालडा हाक ॥ गीग गजा डि न ॥ उय २ हा ले ॥
धं का लषी गयक ॥ नालिचल हा ल ॥ धं का लषी गयक ॥ धं मा
गली हा ल ॥ धं का सि न मा यः का प के ॥ धं का वडु डाय का डम
क का य ॥ धं का ग हा रु वा ता गय का ना सि य ॥ विप का य कः
क नि ल क लं ध प ना या य ॥ ॐ ग था ग ग य ॥ ॥
ध मं ना वा य ॥ अथ व न म ॥ ॐ न मा रु ग य लू पृ ष्ठ क तु ना आ

यां ॥ वा य ॥ आ कि जी ना गु नू व ड ॥ वा न ॥ आ कि ल ग या गु या
दी ग य ॥ आ किं लां था य ॥ ॐ दा य ला हा ॥ वा ना ॥ धं का आ कि न्या
पू वा वा य उ रू व ड ॥ आ कि लां था य ॥ रु म ध य नू व न म ॥
वा न ॥ ॥ हा न वा ना आ कि ल ग या हा य क ॥ अ का था मू षी ॥
आ कि लां था य ॥ ॐ धं मा ग म ना य ला हा ॥ अ रु ना न दा कि नी य
ला हा ॥ धा ल दा कि नी य ला हा ॥ धा ल दा कि नी य ला हा ॥ य उ
पृ ष्ठ गु मि ल ला हा ॥ आ कि नी गु ड मा ॥ गा गु या य ॥ ॐ धं

मांज्ज जयनमस्तु स्यः क्लानदानी यनमस्तु स्यः धाल यगालः
कुरुपालनमस्तु स्य ॥ मलुल वि भज्ज याना ॥ आकि कल
अनी ज्ञया सिलगय ॥ मगत या कलु काय ॥ ॥ धन
निवप्यके ॥ नासि जा काय ॥ मरु सिद्धि काय ॥ धंका खा
नका काय के विय के ॥ धंका ॥ काव पाल या काय के काय ॥
लि हा अय ॥ ॥ ॥ गु मि गी का ज्ञा पृजा व धी समा
फं गुर ॥ गु डि वा हल उ क या ग थ स रु इ ल ॥ सं स्व ग १० ६३

कार्त्तिक मय जा स वा या सिद्धि जा उ क उं गु ला रु या काय कय
दल से जा न या ग वा या ग या ॥ अ ला य न पा पा य नी या ग थ सा प
च मा हा पा प जा य मा ॥ अ ह रु ॥ गुर ॥

सु बर्ह पु भा सा, स प भु र व न्न ॥ मिल नि वल, व पृ खा ब ह ति ॥
का न पु धा पा, ध नी व, सि न वि ॥ मा थो न गा जा, जाम क जी पु वी का ॥

॥ रुक्म ॥ रुक्म ॥ कलस ॥ गगु ॥ सिंहम् ॥

मोहनी ॥

खादपा ॥

अपी ॥

मन ॥

संदल
मूलपा
अपी ॥ उ ॥

किंकि
कलस

वली
गुग्गु

हवड ॥ तेलोळ विडय ॥
पात पात ॥ पात

अपीयागमिगुया ॥
प्रागयागलमाया थथा ॥

रुक्म ॥ रुक्म ॥ कलस ॥ गगु ॥ सिंहम् ॥

मोहनी ॥ अपी
खादपा ॥ मूलपा
अपी ॥ कलस
मन ॥ किंकि

हवड ॥ तेलोळ विडय
पात पात ॥ पात

कातिक यात्रयमी
कयडोगयकडपुडा
याथाम थथा ॥